Literacy in Hindi speaking areas

1792. SHRIMATI VEENA VERMA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have decided to accord high priority to improve the literacy rate in the Hindi heartland (BIMARU), Bihar, Madhya Pradesh, Rajasthan and Uttar Pradesh;

(b) if so, whether any compreshensive plan has been prepared in this regard; and

(c) if so, the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KM. SELJA): (a) to (c) The National Literacy Mission has been mandated to make 100 million people literate in the 15-35 age group by 1997. No separate year-wise or State-wise targets have been fixed. The main approach towards literacy is through volunteer based Total Literacy Campaigns. The focus of the National Literacy Mission is now on the 4 States of Bihar, Madhya Pradesh, Rajasthan and Uttar Pradesh where according to 1991 census 48 per cent of the illiterate population aged 7 years and above reside. Of the 335 districts taken up to for under the Total Literacy Campaigns. 124 districts are in these 4 States.

Central Universities without Vice-Chancellors

1793. SHRIMATI KAMLA SINHA:
DR. BAPU KALDATE:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what are the names of the Central Universities as on date in the country which are still without Vice-Chancellors, and since when, University wise; and

(b) what are the reasons for not appointing Vice-Chancellors of these Universities?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KM. SELJA): (a) and (b) Out of the thirteen Central Universities only one University *viz.* Visva-Bharati is functioning under Acting Vice-Chancellor, because the Vice-Chancellor has resigned. The resignation of Vice-Chancellor of Visva-Bharati was accepted on January 31, 1995. Government has initiated steps for filling up this vacancy as per the provisions of the Act and Statutes of Visva-Bharati.

स्वैच्छिक संगठनों का कार्यकरण

1794. **श्री कनकसिंह मोहन सिंहे मंगरोला :**
चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार मंत्रालय के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन करने वाले स्वैच्छिक संगठनों के कार्यकरण को नियमित करने एवं उन पर निगरानी रखने हेतु एक तंत्र विकसित करने पर विचार कर रही है ,

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक कितनी प्रगति हुई है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा) : (क)से (ग) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 में यह व्यवस्था है कि

गैर सरकारी और स्वच्छिक प्रयत्नों, जिनमें सामाजिक क्रियाशील समूह भी शामिल है, को प्रोत्साहित किया जाएगा बशर्ते कि उपयुक्त प्रबन्ध हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 के अनुसरण में शुरु की गई योजनाओं में संस्वीकृति और उत्तरवर्ती मानिटरिंग से पूर्व स्वैच्छिक एजेंसियों के प्रस्तावों के मूल्यांकन प्रस्तावों के लिए अन्तर्निर्मित तन्त्र हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा मिशन कार्यक्रम

1795. **श्री ईश दत्त यादव :**
श्री कनकसिंह मोहन सिंह मंगरोला :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा मिशन कार्यक्रम को छोड़ दिया है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार ने इन कारणों की समीक्षा भी कराई है ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी परिणाम क्या रहे हैं ; और

(ङ) गत तीन वर्षों में इसकी प्रगति का राज्य-वार ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) जी नहीं।

(ख) से (ङ) प्रश्न नहीं उठते।

दिल्ली विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति

1796. **श्री अनन्तराम जायसवाल :**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की संख्या कितनी है और प्रत्येक विश्वविद्यालय की वर्तमान आर्थिक स्थिति क्या है ;

(ख) क्या यह सच है कि बदहाली आर्थिक स्थिति के कारण दिल्ली विश्वविद्यालय की हालत निरन्तर बदतर होती जा रही है और शिक्षा पर इसका स्पष्ट प्रभाव पड़ रहा है ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग एवं संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) से (ग) देश में इस समय 13 केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैं। स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालयों का परिचालन व्यय योजनेतर लेखे से वहन किया जाता है।

इन विश्वविद्यालयों को जारी किए गए अनुदानों की स्थिति इस प्रकार है :-

जारी किये गये अनुदान (रु० लाखों में)योजनेत्तर-

क्र०सं०	विश्वविद्यालय का नाम	1991-92	1992-93	1993-94
1		3	4	5
1.	अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय	3603.60	4119.47	5628.09
2.	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय	4444.07	5238.23	5883.68
3.	दिल्ली विश्वविद्यालय	2501.41	2853.05	3109.78
4.	हैदराबाद विश्वविद्यालय	735.22	849.77	894.21